

राज्य सेवा परीक्षा

ऐच्छिक विषय

23. मानव विज्ञान

प्रश्न पत्र प्रथम

खण्ड-एक

1. मानव विज्ञान का अर्थ, विषय-क्षेत्र विस्तार एवं उद्देश्य, मानव विज्ञान का इतिहास । मानव विज्ञान का इतिहास, समाज शास्त्र, मनोविज्ञान, जीव विज्ञानों तथा भेषज विज्ञानों से संबंध ।

2. मानव विज्ञान की प्रमुख शाखाएं

1. सामाजिक-सांस्कृतिक मानव विज्ञान
2. जैविक मानव विज्ञान
3. पुरातात्विक मानव विज्ञान
4. भाषाई मानव विज्ञान

3. संस्कृति : अवधारणा, विशेषताएं तथा कार्य

सांस्कृतिक आचार, आधारभूत, सांस्कृतिक सापेक्षता, संस्कृति की अधि-जैविकता, संस्कृति एवं सभ्यता, संस्कृति तथा समाज ।

विषय वस्तु एवं प्रक्रियाएं :- परंपरा: बृहद् परंपरा एवं लघु परंपरा, पवित्र संकुल, सार्वभौमीकरण तथा लौकिकीकरण, संस्कृतिकरण तथा पश्चिमीकरण ।

4. समाज, समुदाय, सामाजिक समूह, सामाजिक संस्था, प्रास्थिति एवं भूमिका, जाति एवं वर्ग, प्रभु-जाति के अर्थ ।

5. क्षेत्र-कार्य परंपरा: सहभागी अवलोकन, वंशावलि विधि, अनुसूची, प्रश्नावली तथा वैयक्तिक अध्ययन ।

6. प्राणि-शास्त्रीय उदविकास संबंधी दृष्टिकोण: डार्विनवाद, नव डार्विनवाद, लेमार्कवाद, नव-लेमार्कवाद तथा संश्लिष्ट सिद्धान्त।

7. स्तन्य प्राणियों में मानव का स्थान: प्राइमेट वर्ग का तुलनात्मक शारीरिक अध्ययन विशेषकर मानव तथा

मानवसम वानरों के सन्दर्भ में ।

8. हिमावर्तन तथा हिम प्रत्यावर्तन, वृष्ट्यावर्तन तथा वृष्टि प्रत्यावर्तन। हिमयुग घटित होने के कारण तथा प्रमाण ।
9. योरोप के पुरा-पाषाण, मध्य पाषाण तथा नव पाषाण की सामान्य सांस्कृतिक विशेषताएं ।
सिन्धु घाटी सम्यता: उत्पत्ति, नगर नियोजन, व्यापार, विशिष्टताएं तथा पतन ।
10. तिथि निर्धारण की विधियाँ: निरपेक्ष एवं सापेक्ष ।

खण्ड-दो (क)

1. मानव उद्विकास का जीवाश्म-साक्ष्य : ड्रायोपिथेकस, रामापिथेकस, आस्ट्रेलोपिथेकस अफ्रिकेनस, होमोइरेक्टस : पिथेकेन्थ्रोपस तथा सिनेन्थ्रोपस, नियंडरथल, होमोसेपियन्स (मेधावी मानव) क्रोमैंगनान, ग्रीमाल्डी एवं चॉसलेड मानव ।
2. कपाल, मेरूदंड, श्रोणिमेखला और पादों के विशेष संदर्भ में उर्ध्वस्थिति के परिणामस्वरूप मानव में उत्पन्न परिवर्तन तथा द्विपादिता।
3. आनुवंशिकता का नियम - वंशागति मायटोटिक और मियोटिक (सम-सूत्रीय एवं अर्ध सूत्रीय) कोशिका विभाजन की भूमिका, कोशिका विभाजन, डीएनए और आरएनए, वंशागति के प्रकार : अलिंग सूत्री, लिंग सहलग्न ।
4. यमज के प्रकार और आनुवंशिकीय अन्वेषण में उनका महत्व, सुप्रजनन, आनुवंशिकीय परामर्श।
5. नृवंशीय समूहों का निर्माण, नृजातीय वर्गीकरण का आधार, विश्व के प्रमुख नृजातीय समूह तथा उनके प्रमुख उप-विभाग, भारत में प्रजातीय तत्व, मानव विभिन्नता के कारक : आकारकीय, रक्त वर्गीय तथा आनुवंशिकीय ।
6. मानव संवृद्धि : मानव संवृद्धि के विभिन्न चरण । पोषण एवं विकास, संवृद्धि को प्रभावित करने वाले कारक, संवृद्धि अध्ययन की विधियाँ ।
7. मानवमिति एवं मानव आनुवंशिकी की व्यावहारिक उपयोगिता, न्यायिक मानव विज्ञान ।

खण्ड-दो (ख)

1. विवाह : परिभाषा, विवाह के प्रकार : एक विवाह, बहु विवाह, बहुपत्निक, बहुपतिक, अनुलोम तथा प्रतिलोम विवाह । अधिमान्य विवाह के प्रकार, वधू-मूल्य, दहेज । जनजातियों में जीवन साथी चुनने के प्रचलित तरीके ।

निवास-प्रकार: मातृस्थानात्मक, पितृस्थानात्मक, नवस्थानात्मक, एक वंशीय नातेदारी व्यवस्था, द्विवंशीय नातेदारी व्यवस्था, दोहरी वंशावली व्यवस्था।

2. परिवार : परिभाषा एवं उपयोगिता, परिवार की सार्वभौमिकता, परिवार के प्रकार । भारत में संयुक्त परिवार के विघटन के कारण ।
3. आदिम अर्थव्यवस्था : उत्पादन, उपभोग तथा वितरण । विनिमय: वस्तु विनिमय, उत्सविक विनिमय, अन्योन्याश्रिता तथा पुनर्वितरण।
4. राज्य तथा राज्य विहीन समाजों में अन्तर, राज्यविहीन समाजों में सामाजिक व्यवस्था की निरन्तरता एवं शान्ति स्थापना । जनजातियों में सामाजिक नियन्त्रण के अन्य उपाय।
5. मानव, पर्यावरण एवं संस्कृति, पर्यावरण संस्कृति के निर्धारक के रूप में, सांस्कृतिक-पारिस्थितिकी।
6. सामाजिक सांस्कृतिक उद्विकास : क्लासिकी उद्विकास-वाद, नव-उद्विकास-वाद ।
7. सामाजिक प्रसरण, सांस्कृतिक वृत्त, सांस्कृतिक क्षेत्र, सांस्कृतिक प्रसरणवाद के संबंध में जर्मन-अस्ट्रियन मत, सांस्कृतिक प्रसरण तथा परंपरा में अन्तर ।
8. सामाजिक प्रकार्य की अवधारणा, मैलिनुस्की का प्रकार्यवाद। सामाजिक संरचना की अवधारणा, रेडक्लिफ ब्राउन का संरचना-प्रकार्यवाद।
9. सांस्कृतिक प्रतिमान, सांस्कृतिक आकारिकीवाद, संस्कृति एवं मानव व्यक्तित्व, मूल व्यक्तित्व तथा बहुलक व्यक्तित्व ।

प्रश्न पत्र द्वितीय

1. जनजाति की परिभाषा तथा विशेषताएं, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़ी जनजाति, भारत में जनजातियों का भौगोलिक, भाषाई एवं प्रजातीय वितरण ।
2. जनजातियों का आर्थिक वर्गीकरण : आखेट, भोजन संग्रहण, पशु-पालन, स्थानान्तरित खेती, स्थाई कृषि, औद्योगिक श्रमिक तथा उनकी समस्याएं। वनभूमि से संबंधित प्रकरण ।
3. प्रमुख सामाजिक संस्थाएं तथा जनजातीय धर्म की मुख्य विशेषताएं : युवागृह के प्रकार, संगठन तथा कार्य, विवाह, परिवार, कुल समूह, अर्धांश । आत्मावादी तथा गणचिन्हवादी विश्वास तथा रीतिरिवाज, जादू एवं टोना-टोटका, शमनवाद तथा मिथक ।

4. भारत के जनजातीय समुदायों को समझने में निम्नलिखित मानव वैज्ञानिकों का योगदान :- वेरियर एल्विन, डी.एन. मजूमदार तथा एल.पी. विद्यार्थी ।
5. जनजातीय समस्याएं : भूमि अलगाव, ऋण ग्रस्तता, गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, बीमारी एवं कुपोषण, अन्य वर्गों के लोगों द्वारा शोषण, जनजातीय विस्थापन तथा वनभूमि पर सरकारी नियंत्रण से जनित समस्याएं ।
6. जनजातीय कल्याण के उपाय : जनजातीय हितों के संरक्षण के संवैधानिक तथा विधिक उपाय, नियोजित सामाजिक-आर्थिक विकास, गैर सरकारी संगठनों द्वारा लागू किए गए विकास के कार्यक्रम, वन नीति में लचीलापन तथा विस्थापन के पश्चात् पुर्नस्थापन के विभिन्न उपाय, जनजातीय समाजों में प्रजातांत्रिक राजनीतिक संस्थाओं तथा प्रजातांत्रिक निर्णय-प्रक्रिया का लागू किया जाना तथा जनजातीय विकास- प्रबन्धन के लिए विशेष प्रशासनिक तन्त्र का प्रावधान।
7. जनजातीय कल्याण के उपागम तथा रणनीतियाँ: पृथक्करण, आत्म सातीकरण तथा एकीकरण । विशेष बहु-उद्देशीय विकास रणनीति, एकीकृत जनजातीय विकास रणनीति, अनुसूचित क्षेत्र, जनजातीय-क्षेत्र, जनजातीय उपयोजना, आंगनबाड़ी तथा आश्रम विद्यालय ।
8. नृजातिकता एवम् साँस्कृतिक पहचान की उत्कट अभिलाषा का अभ्युदय : जनजातीय जन-आन्दोलनों का इतिहास, पर-संस्कृति गृहण के विरोध में जन आन्दोलनों की प्रकृति तथा उनकी उपयुक्तता : बीरसामुण्डा जन आन्दोलन, गोण्ड जन-आन्दोलन तथा बाबा बिहारीदास जन-आन्दोलन की समीक्षात्मक जानकारी।
9. हिन्दुत्व, ईसाई तथा इस्लाम धर्मों का जनजातियों पर प्रभाव, औद्योगीकरण का जनजातीय समाजों पर प्रभाव ।
10. जनजातीय स्थिति की समुचित जानकारी तथा जनजातीय स्थिति के सुधार में मानव विज्ञान की भूमिका ।
11. कमार, बस्तर के गोंड, पहाड़ी, कोरवा, टोडा तथा खासी जनजातियों का नृजातीय विवरण ।

Syllabi for optional subjects

23. ANTHROPOLOGY :

PAPER - I

Section - I

1. Meaning, Scope and aims of Anthropology. History of Anthropology. Relation of Anthropology with history, Sociology, Psychology, biological Sciences and Medical Sciences.

2. Main branches of Anthropology :

- (I) Social cultural Anthropology.
- (II) Biological Anthropology.
- (III) Archaeological Anthropology.
- (IV) Linguistic Anthropology.

3. Culture : Concept, Characteristics and Functions.

Ethos, eidos, Cultural relativity, super-organicness of culture, culture and civilization culture and society. Content and processes:- Tradition : Great tradition and little tradition, sacred complex, universalization and parochialization, sanskritization and westernization.

4. Meaning of society, Community, Social group, Social Institution, Status and Role, Caste and Class, Dominant Caste.

5. The field work tradition : participant observation, genealogical method, schedule, questionnaire and case study.

6. Views on organic evolution : Darwinism, Neo-Darwinism, Lamarckism, Neo-Lamarckism and Synthetic theory.

7. Man's place among the mammals : A comparative anatomical study of primates with special reference to the anthropoid apes and man.

8. Glaciations and inter glaciations, pluvial and inter pluvial. Causes and evidences for occurrence of the Ice-Age.

9. General features of Europe's palaeolithic, mesolithic and neolithic. Indus Valley Civilization : Origin, town planning, trade, distinctive features and decay.

10. Methods of dating : relative and absolute.

Section - II (A)

1. Fossil evidence for Human Evolution : Dryopithecus, Ramapithecus, Australopithecus africanus, Homo-erectus : Pithecanthropus and Sinanthropus, Neanderthal, Homo-sapiens : Cro-magnon, Grimaldi, Chancelade.

2. Changes brought about in man as a result of erect posture, with special reference to skull, vertebral column, Pelvic girdle and limbs, & bipedalism.
3. Laws of heredity, Mechanism of inheritance : role of mitotic and meiotic cell division DNA and RNA. Types of inheritance : Autosomal, sex linked.
4. Types of twins and their importance in genetic investigations, Eugenics. Genetic counseling.
5. Formation of Ethnic groups, Criteria for ethnic classification, Major ethnic stocks of the world and their broad sub-divisions, Ethnic elements in India, causes of human variation : Morphological, Serological and genetic.
6. Human growth : stages of growth, Nutrition and Development, Factors affecting growth, methods of studying growth.
7. Applications of Anthropometry and Human genetics, Forensic Anthropology.

Section - II (B)

1. Marriage : Definition, forms of marriage : Monogamy, Polygamy, Polyandry and Polygyny, Hypergamy and Hypogamy. Types of Preferential marriages. brideprice, dowry, prevalent ways of acquiring mate in tribes.
Types of residence : Matri-local, patri-local and neo-local, unilineal kinship system, bilineal kinship system, Double descent.
2. Family : Definition and significance, Universality of family institution, Types of family. Causes for break-up of Joint family system in India.
3. Primitive Economy : Production, Consumption and distribution. Exchange : Barter, Ceremonial exchange, reciprocity and redistribution.
4. Distinctions between state and stateless societies, Maintenance of peace and social order in stateless societies. other means of social control in tribal societies.
5. Man, environment and culture, Environment as determinant of culture, cultural ecology.

6. Social cultural evolution, Classical evolutionism, Neo-evolutionism.
7. Diffusion, culture circle, culture area, German-Austrian diffusionistic thought, Distinctions between diffusion and tradition.
8. Concept of social function, Malinowski's functionalism, concept of social structure. Radcliffe-Brown's structure functionalism.
9. Patterns of culture, configurationalism, culture and human personality. Basic personality and modal personality

PAPER - II

1. Definition and Characteristics of tribe, scheduled tribe and primitive tribe, Geographical, linguistic and ethnic distribution of tribes in India.
2. Economic classification of tribes : Hunting, Food-gathering, pastoral economy, Shifting, cultivation permanent agriculture and industrial labour and their problems. issues of forest land.
3. Basic social institutions and main features of religion : types. organization and functions of youth dormitories. Marriage, phratry and moeity. Animistic and totemic beliefs and practices, magic and witchcraft, shamanism, myths.
4. Contributions of the following anthropologists in understanding of tribal communities of India : Varrier Elwin, D.N. Majumdar and L.P. Vidyarthi.
5. Tribal Problems : Land alienation, indebtedness, poverty, unemployment, illiteracy, disease and malnutrition, exploitation by people of other sections, tribal displacement and problems emerging from Govt control over forest land.
6. Measures for tribal welfare : Constitutional and legal provisions for safeguarding tribal interests, planned socio-economic development, development programmes run by NGO's, liberalization in the forest-policy and various measures for tribal rehabilitation after displacement, introduction of parliamentary form of political institutions and the democratic decision making process in tribal societies and special administrative provision for tribal development administration.

7. Approaches and strategies of tribal welfare : Isolation, Assimilation and Integration. SMPT, ITDP, scheduled area, tribal area, tribal sub-plan aganwadi and Ashram-schools.
8. Emergence of ethnicity and quest for identity, History of tribal movements, nature and relevance of contra-acculturative movements : critical knowledge of the Birsa munda movement, the Gond movement and Baba Biharidas movement.
9. Impact of Hinduism, Christianity and Islam on tribes. Impact of Industrialization on tribal communities.
10. Role of Anthropology in understanding tribal situation and amelioration there of.
11. Ethnographic profiles of the Kamar, Gonds of Bastar, Hill Korwa, Toda and Khasi tribes.